

سُورَةُ الشَّرِّ ۝ ح

Surah 94 — Ash-Sharh (The Consolation) · Meccan · 8 Ayahs · Translation: Hindi

1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ أَلَمْ نَشْرَحْ لَكَ صَدْرَكَ

(ऐ रसूल) क्या हमने तुम्हारा सीना इल्म से कुशादा नहीं कर दिया (जरूर किया)

2

وَوَضَعْنَا عَنْكَ وِزْرَكَ

और तुम पर से वह बोझ उतार दिया

3

الَّذِي أَنْقَضَ ظَهْرَكَ

जिसने तुम्हारी कमर तोड़ रखी थी

4

وَرَفَعْنَا لَكَ ذِكْرَكَ

और तुम्हारा जिक्र भी बुलन्द कर दिया

5

فَإِنَّ مَعَ الْعُسْرِ يُسْرًا

तो (हाँ) पस बेशक दुश्वारी के साथ ही आसानी है

6

إِنَّ مَعَ الْعُسْرِ يُسْرًا ۝۱

यकीनन दुश्वारी के साथ आसानी है

7

فَإِذَا فَرَغْتَ فَانصَبْ

तो जब तुम फारिग हो जाओ तो मुकर्रर कर दो

وَالِی رَّبِّكَ فَارْغَب

और फिर अपने परवरदिगार की तरफ रग़बत करो